



Pradeep Kumar



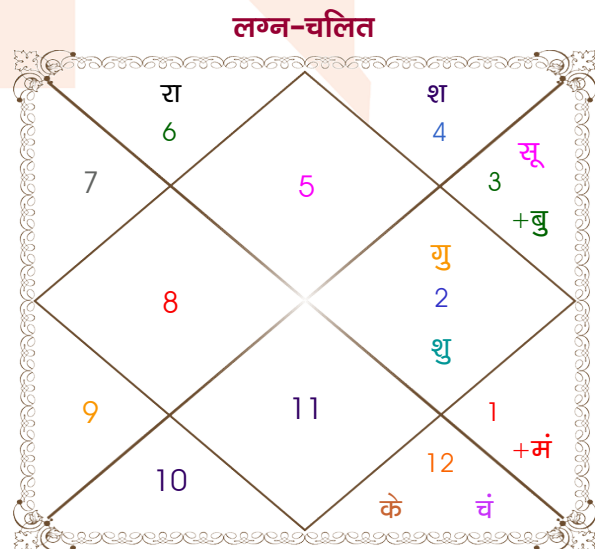
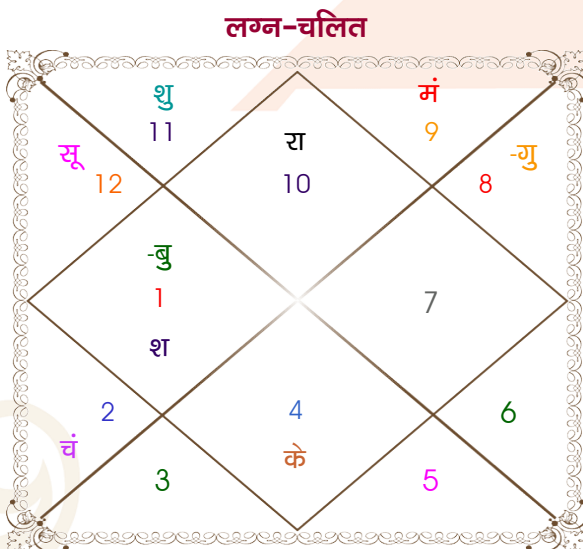
Archana Kumari

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120825904

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 31-01/04/1971 : _____ जन्म तिथि _____ 07/07/1977
 बुध-गुरुवार : _____ दिन _____ गुरुवार
 घंटे 02:50:00 : _____ जन्म समय _____ 09:06:00 घंटे
 घटी 52:47:53 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 10:05:04 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Patna : _____ स्थान _____ Patna
 25:37:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 25:37:00 उत्तर
 85:12:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 85:12:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:10:48 : _____ स्थानिक संस्कार _____ 00:10:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:42:50 : _____ सूर्योदय _____ 05:03:58
 18:05:16 : _____ सूर्यास्त _____ 18:43:56
 23:27:30 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:32:41

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 5वर्ष 8मा 14दि		19:28:17	मक	लग्न	सिंह	13:16:39	शनि 10वर्ष 4मा 17दि	
शनि		17:03:12	मीन	सूर्य	मिथु	21:22:04	शुक्र	
14/12/2010		25:47:50	वृष	चंद्र	मीन	09:22:54	24/11/2011	
14/12/2029		18:09:59	धनु	मंगल	मेष	29:04:10	24/11/2031	
शनि	17/12/2013	05:51:53	मेष	बुध	मिथु	29:44:50	शुक्र	25/03/2015
बुध	26/08/2016	12:53:15	वृश्चि व	गुरु	वृष	27:35:34	सूर्य	24/03/2016
केतु	05/10/2017	09:17:05	कुंभ	शुक्र	वृष	07:00:27	चन्द्र	23/11/2017
शुक्र	05/12/2020	26:45:04	मेष	शनि	कर्क	22:14:48	मंगल	23/01/2019
सूर्य	17/11/2021	28:59:20	मक व	राहु व	कन्या	26:43:03	राहु	23/01/2022
चन्द्र	18/06/2023	28:59:20	कर्क व	केतु व	मीन	26:43:03	गुरु	23/09/2024
मंगल	27/07/2024	18:07:09	कन्या व	हर्ष व	तुला	14:10:43	शनि	24/11/2027
राहु	03/06/2027	09:25:48	वृश्चि व	नेप व	वृश्चि	20:25:30	बुध	23/09/2030
गुरु	14/12/2029	04:34:50	कन्या व	प्लूटो	कन्या	17:55:20	केतु	24/11/2031



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि च्त्कममच ज्ञनउंत का नक्षत्र मृगशिरा है।

च्त्कममच ज्ञनउंत का वर्ग मृग है तथा तर्बीदं ज्ञनउंतप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्त्कममच ज्ञनउंत और तर्बीदं ज्ञनउंतप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

च्त्कममच ज्ञनउंत मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल च्त्कममच ज्ञनउंत कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तर्बीदं ज्ञनउंतप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि तर्बीदं ज्ञनउंतप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



चतुर्कममच ज्ञानउत तथा तबीदं ज्ञानउतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

